सोनाली की सर्जरी सफल

अपने तरीके की देश की पहली सर्जरी
इलाज में 28 डॉक्टरों की छह टीमें शामिल

कमलेश कुमार सिंह ■ नयी दिल्ली

'मैं एक बार फिर एक नयी जिंदगी का सपना देख रही हूं. यह भगवान का सबसे बड़ा वरदान है, जो मुझे मिला है. कई सालों तक शारीरिक और मानसिक सदमा सहने के बाद भगवान ने डॉक्टरों की इस टीम को मेरी जिंदगी को फिर से आकार प्रदान करने के लिए भेजा है. मैं खुशी से गदगद हूं.' यह कहना है कभी सरकार से इच्छा मृत्यु की मांग करने वाली धनबाद के तेजाब कांड की पीड़ित सोनाली मुखर्जी का. राजेंद्र प्लेस स्थित बीएल कपूर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के पहले चरण का ऑपरेशन सफल होने के बाद सोनाली खुशी के साथ-साथ गहरे आत्मविश्वास से भर उठी है. सोनाली की रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी एक से डेढ़ साल तक 7-8 चरणों में होनी है. हॉस्पिटल के निदेशक डॉ संजीव बगाई ने बताया कि गत सोमवार को सोनाली का हुआ ऑपरेशन सफल रहा. दूसरे चरण का ऑपरेशन तीन महीने बाद किया जायेगा. वहीं सोनाली के पिता

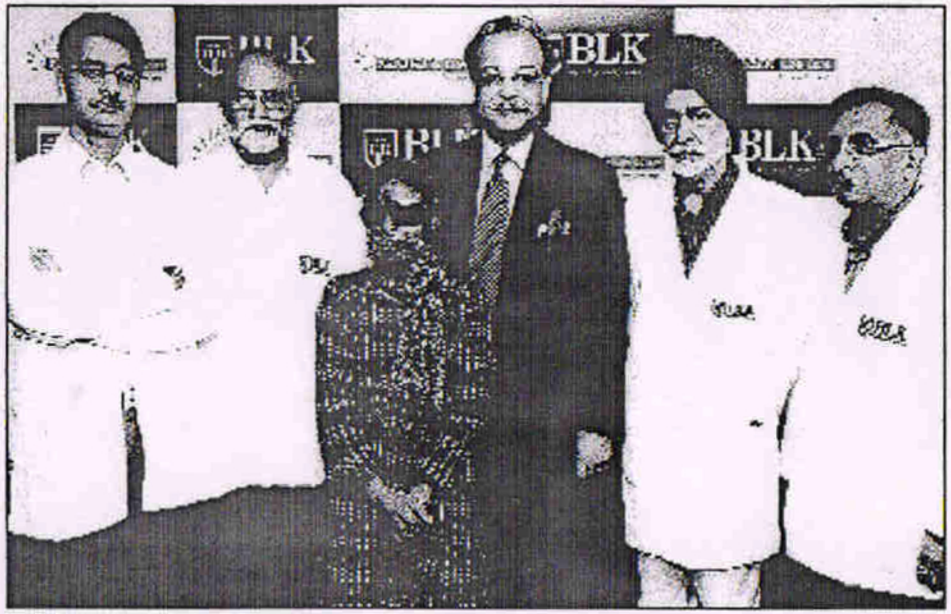

डॉक्टरों की टीम के साथ सोनाली.

चंडी दास मुखर्जी ने कहा, 'बेटी को न्याय और इलाज के लिए पिछले 9 वर्षों से संघर्षरत हूं. लेकिन अब इलाज से बहुत खुश हूं, उसे पुनर्जीवन मिला है.' सोनाली के इलाज में 28 डॉक्टरों की 6 टीमें शामिल हैं. मूलतः बोकारो के कसमार इलाके के निवासी चंडी दास मुखर्जी की पुत्री सोनाली पर धनबाद के भेलाटांड़ इलाके में 22 अप्रैल, 2003 को तीन युवकों ने तेजाब फेंक दिया था.

सोनाली की परेशानियां : पढ़ें दो पर